<u>विद्या भवन बालिका विद्यापीठ</u>

<u>शक्ति उत्थान आश्रम, लखीसराय</u>

<u>(एन.सी.ई.आर.टी पर आधारित)</u>

कक्षा- पंचम् **तिथि- 21.08.2021**

विषय-_संस्कृत **सुमिता कुमारी**

सुप्रभात बच्चों,

आज आप सब मध्यमः पुरुषः के बारें में' समझेंगे।

<u>संस्कृत</u>

<u>दशमः पाठः</u>

मध्यम पुरुष के कर्ता हमेशा 'श्रोता' अर्थात् सुनने वाले होते हैं । यह तीनों वचनों में होते हैं तथा सभी लिंगों में समान रहते हैं। वचनानुसार मध्यम पुरुष के कर्ता के साथ मध्यम पुरुष की ही क्रिया का प्रयोग होता है ।मध्यम पुरुष में करता एवं धातु के रूप में निम्न प्रकार चलते हैं-

	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
कर्ता	त्वम् (तुम)	युवाम् (तुम दोनों)	यूयम् (तुम सब)
'अस्' धातु	असि	स्थः	स्थ
अन्य धातुएँ	धातु + असि	धातु + अथः	धातु + अथ

इस पाठ में हम मध्यम पुरुष के कर्ता एवं क्रियाओं के प्रयोग के बारे में पढ़ेंगे।

उदाहरण–

त्वम् बालकः असि।

युवाम् बालकौ स्थः।

यूयम् बालकाः स्थ।

त्वम् बालिका असि।

युवाम् बालिके स्थः।

यूयम् बालिकाः स्थ।

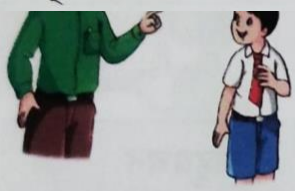

त्वम् बालकः असि।

युवाम् बालकौ स्थः।

यूयम् बालकाः स्थ।

त्वम् बालिका असि।

युवाम् बालिके स्थः।

यूयम् बालिकाः स्थ।

अभ्यास

1. शुद्धं विकल्पं चित्वा रिक्तस्थानानि पूरयत–

शुद्ध विकल्प चुनकर रिक्तस्थानों को पूरा कीजिए–

Choose the correct option and fill in the blanks.

(*i*) मध्यम पुरुष का कर्ता हमेशा _____ होता है।
(क) अन्य व्यक्ति ☐ (ख) वक्ता ☐ (ग) श्रोता

(*ii*) 'त्वम्' शब्द का बहुवचन _____ है।
(क) यूयम् ☐ (ख) युवाम् ☐ (ग) आवाम्

(*iii*) मध्यम पुरुष के कर्ता के साथ _____ पुरुष की क्रिया ही लगती है।
(क) उत्तम ☐ (ख) मध्यम ☐ (ग) प्रथम

(*iv*) _____ बदलने से मध्यम पुरुष का कर्ता या क्रिया नहीं बदलते।
(क) वचन ☐ (ख) लिंग ☐ (ग) पुरुष

निम्नलिखितशब्दान् तेषाम् अर्थैः सह मेलयत–

निम्नलिखित शब्दों को उनके अर्थों से मिलाइए–

Match the following words with their meanings.

(*i*)	लिखसि	खाते हो (तुम सब)
(*ii*)	धावथ	हँसते हो (तुम दोनों)
(*iii*)	हसथः	दौड़ते हो (तुम सब)
(*iv*)	खादथ	बोलते हो (तुम)
(*v*)	पठथः	लिखते हो (तुम)
(*vi*)	वदसि	पढ़ते हो (तुम दोनों)